ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४३
दिनांक- शुक्रवार, २६ जून, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.५ एवं १९.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५४ प्रतिशत, हवा की औसत गति १५.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ०.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ३.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.१ एवं दोपहर में ३१.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ६६.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
;२७ जून -१ जुलाई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २७ जून -१ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- मानसूनी रेखा के उत्तर की ओर बढ़ने से तथा काफी सक्रिय मानसूनी वायु की सक्रिय प्रभाव से अगले २४-४८ घंटों में उत्तर बिहार के अधिकतर जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। सिवान, समस्तीपुर, बेगुसराय, सारण, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा तथा वैशाली जिलों के कुछ स्थानों पर भारी से अतिभारी वर्षा हो सकती है। ४८ घंटो के बाद भी हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २९ से ३४ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २३-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १२-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य यथाशीघ्र समपन्न करें। धान की अगात किस्में जैसे- प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र नीलम एवं मध्यम अवधि की किस्में जैसे-संतोष, सीता, सरोज, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, कामिनी, सुगंधा उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। १० से १२ दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर-पतवार निकालें।
- जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- उथली क्यारिओं में खरीफ प्याज की नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०ः छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- जिन खेतों में बरसात का जल जमाव हो गया है। उन खेतों से जल निकास की उचित व्यस्था करे। दो-तीन दिनों के बाद या वर्षा ना होने की स्थिति में अरहर एवं सुर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें । खेत की जुताई में गोबर की खादध्कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है।
- तिल की बुआई उंचास भूमि में एक-दो दिनों के बाद करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाष का व्यवहार करें। बीज दर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० ग १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे- कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा लगाने के मौसम अनुकुल है। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर २०-२५ टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर ६० किलो ग्राम नेत्रजन, ५० किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल ३ मी० ग १ मी० की दूरी पर लगायें। प्रति थाल २-३ मी० बीच पर बोयें।
- बरसात के आरंभ में तापमान एवं नमी ज्यादा होने के कारण अठगोड़वा का प्रकोप पशुओं में बहुत अधिक होता है। यह अठगोड़वा थलेरियोसीस, ट्रिपैनोसोमिएसीस एवं बबेसियोसीस जैसे घातक रक्त परजीवी रोगो का वाहक होते है। इसलिए इस मौसम में इनके नियंत्रण के लिए आइवरमेक्टीन, फ्लूमेथ्रिन, अमितराज, इप्रिनोमेक्टीन दवाओं का प्रयोग करें। पशुओं के शरीर में दवा लगाने का काम सुबह या शाम में, जब धुप नहीं होता है, तभी करे। दवा लगाने के दो घंटे बाद पशुओ को ठंडे पानी से धो दे। दवा का प्रयोग पशु के सिर या गर्दन में नही करे। पशुओं में दवा लगाने के बाद उसी दिन ३० मि०ली० अमितराज या इप्रिनोमेक्टीन दवा को २ ली० पानी में घोल कर पशुगृह में छिड़काव अवश्य करें अथवा पशुगृह में सुखा चुना का घना छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः २९.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.७ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.३ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी